Title: Need to take concrete steps for permanent solution of recurring flood in north Bihar-Laid.

श्री नवल किशोर राय (सीतामढ़ी) : महोदय, उत्तर बिहार का ७६ प्रतिशत भाग बाढ़ की समस्या के कारण प्रायः प्रतिवर्ष बड़ी मात्रा में गांवों में फसल की बर्बादी, जमीन का कटाव, जान-मान की क्षति होती है, जिसके कारण लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उत्तर बिहार की नदियां कोशी, गंडक, बागमती, कमला, बलान, महानन्दा एवं अधबारा समूह का उदगम भारतीय सीमा के उस पार हिमालय क्षेत्र में पड़ता है। इन नदियों के जल ग्रहण क्षेत्र का ६१ प्रतिशत भाग नेपाल एवं तिब्बत में पड़ता है। वर्ष १९८७ की बाढ़ की भयावह स्थिति को देखते हुए उत्तर बिहार की बाढ़ और जल जमाव की समस्या के स्थाई निदान हेतु केन्द्रीय स्तर पर टेक्नोलोजी मिशन की स्थापना की गई थी। लेकिन अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। बिहार सरकार के सीमित संसाधन से बाढ़ पर नियंत्रण कर पाना बहुत ही मुश्किल है। इस समस्या का स्थाई समाधान राष्ट्रीय स्तर पर ही संभव है। उत्तर बिहार की नदियों पर नियंत्रण पाना तब तक संभव नहीं है जब तक कि नेपाल में नदियों पर चैक डैम/फोर्स डैम का निर्माण नहीं होता है और नेपाल सरकार द्वारा सुरक्षा की कार्रवाई नहीं की जाती है। भारत सरकार नेपाल सरकार से डैम के निर्माण तथा भू संरक्षण कार्यक्रम के संबंध में जल्द से जल्द पूर्व में हुई विस्तृत वार्ता के आलोक में सहमति प्राप्त कर इन कार्यों को पूरा कराये, ताकि उत्तर बिहार की जनता को बाढ़ से सुरक्षा दी जा सके एवं बिहार को बाढ़ से मुक्ति मिल सके।